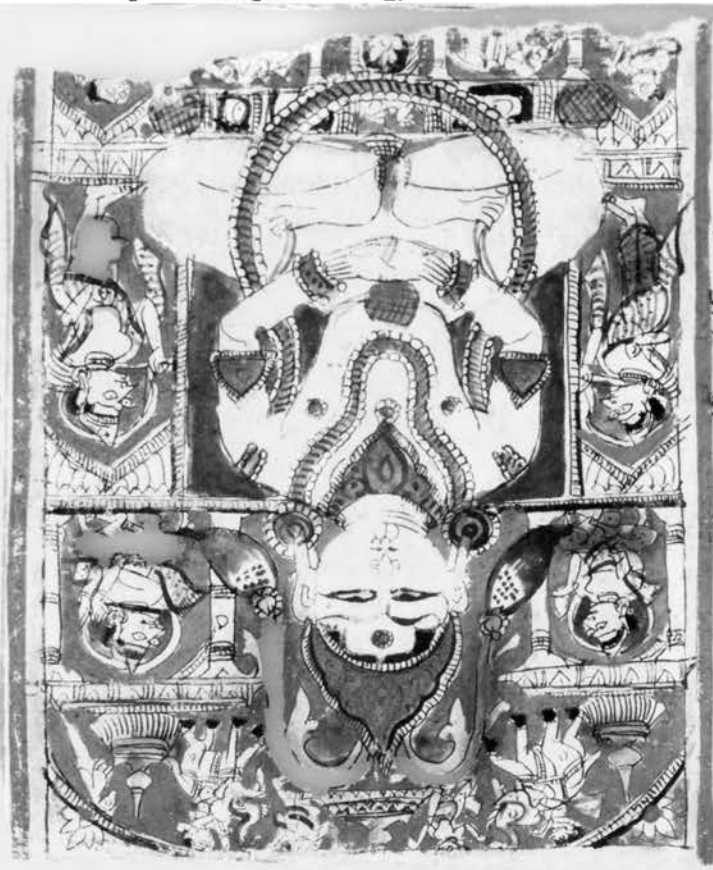

दृणाऽसंघयणा।असंनासंगणकसाया।लसइंदियऽसघाया।।८।।दिट्ठीदंसणनाणा।।जायुवउगावचवायचवणविऽपज्जत्तिकिमाहा

संज्ञी २१ गति आगतिबंदे मनधारि हिमसूरिनऽ शिष्यालसिऽ सरिऽं रविवं मीऽवेसंघयणीरत्नए= नांदउवाधवजोऽश्रीमद्दावीरनवतीर्थपवत्तैऽशतां=

एसन्नीगऽरागऽवणाएगमलद्दाशिदमसूरीणासीसालसणासूरिणारऽऽसंघयणरयणमऽऽनंदउजावीरजिणतित्तऽसयणा।

एसंगदणिनवऽऽर्षजाणिउसंसऽमीः।।बा।। ग्रंथाग्रंथ८१ ।।बा। ऽनंनवउ।।बा। कल्याणऽस्यानु।। ।।बा। ।।बा। ।।बा। श्रीः।। श्रीः।। उ।। बा। श्रीतपागछ।। बा। बो।

।।ऽतिलघुसयदणिरनसूत्रसमर्थ्यातः।। श्रीः।।उ।।

।।संवत१७२२चाफाल्गुनवदि१गुरुवारश्रीएत्तानपुस्तकलेखनत

१७ १७

वीणंकामणनरकऽतारांणंऽपलियऽहवऽभागा।चउऽअऽनागदिगाऽदवीणंऽचउऽऽयलचउऽनागाऽजऽहन्नमऽनागपंचमणऽादासा

धि सा०१अधिको ९सा १४सागर ऽजोगलाऽशुक्र० याकऽकऽसागरअधिकऽकरताऽजो एकत्रीस= ऽऽपिलाग्रेवेयाक० ततीससागर५योचरऽऽ सोधर्मादवलोकऽआदिकरिणऽऽ

दिसन्नसादियादसचउदसमतरअयराऽजाऽकाऽशक्किंऽकमदियमित्ताऽजाऽशगतीसुचरिगविऽकाऽतिन्नीसणुत्तरसुरासाहम्माऽसुरुमाणि

वीस्थिति= साधर्मऽइकएकपल्यापमऽईशानिपल्यापमअधिकऽजघन्यआयुस्थिति= बि.बिअधिकाकरीऽ।। १अधिकाऽ १० १४सागर १७सागर सदऽग्रारऽआरमऽ० तदऽआयु

ईऽजिहाऽसादम्मईसाणाऽजदन्नविऽपलियमदिऽअंचाद ।।दासादिसन्नसादियादसचउदसमतरअयराऽजाऽसदम्मारातप्पर

याकऽकऽ अधिकऽ ऽजोलगाऽऽअवर० याकऽकीसमागरा। यमः मर्दीमेंमिदिपुणाऽहायन्यस्थिति नधी० परियदीतनाटोममान ब्रीऽजीवऽणाममान सोधऽईशाना

उऽऽकिकाऽअदिऽअंजाणुन्नरचउक्काऽऽऽगतीसमा गराऽऽसंचाहपुणाऽजदन्नविनिऽपरिगदिऽआणिअराणयाऽसाहम्मी

दवी पदिलीनऽहपल्यापमावीऽजीनऽऽअधिकऽकं ऽजयन्या. दिवऽउऽष्ठस्थिति= पल्यापम मान एवाम० ईशानिपल्यापमए एवाचवनपए ५ ६ ४

साणादवीणं।।पलिऽअदियंचकमाविऽईऽजदन्नाऽ अंताकासाऽपलियाऽसन्नपन्नासतदयनवपंचवन्नाय।।ऽएणचऽऽ

४ ७ अंतकमिएकऽथनिऽअंगमदिशीपहरागी. परमणी ६रागी ४गणी२ सोधर्मऽऽ ईशानऽऽ मालीयासमानिविऽजादवालाकिंद्वीऽजाऽ६ऽ६५४ ४ प्राणतआनत

वउऽअहयाऽकामणपतियऽअगमदसिनाऽअसुरनागऽवंतराऽजाऽऽसकप्पऽगिंदाणं।।ऽउऽसुतरसऽसुवारसऽबएणचउचउऽउगुऽ।

प्रणाऽअच्चत ४ प्रावद्यकिऽअंतऽतरिऽ बारसदिनरपतर ऊर्द्धलोकिकदीऽ सोधर्मानीऽईऽशानीस्थितिसागरविनाएनावकीऽजाऽसर्वेऽवादाऽदाऽहनागिवृसरिऽातउऽऽछीस्थितिकदाऽ

गऽअचक्काणविऽजाणुन्नरदसाबिसऽठिपलिएयराउवरिलाए।।४सादम्मुक्कासविऽनियएयरविहुऽऽसुणियापयरुक्कासा

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

हद्या इशानपर्यन्तानि सनत्कुमारादि ग्रैवेयकान्तानि नवप्रकारिणी या उद्धृता वैक्रियः व्याजनलब्धा ग्रैवेयकविमानेषु अत्र

राइचुट्ठीए एवं विइविसमासमणंकमाराइतणुमाणं ग्रानवधारणिज्जपमा उक्कासविउविज्जायणालरकं गविज्जणुत्तरसु उ।

रावैक्रियनदी स्थानाधिकावैक्रियद्वारं जघन्यानघारणिकमिदं अंगुलस्य असंख्यातभागः अंगुलस्यासंख्यातभागश्च एवमादिका

त्तरावउवियानत्ति ग्रा सादाविययविउविश्रातएजहन्नाकमणमारंभा अंगुलअसंखभागा अंगुलसंखिज्जभागाश्र ग्रा सुरस

रीरप्रमाणाधिकरणता क्रियः विरहकाल उपपात उद्वर्तन नाणि मानानि चतुर्विधमेवमादि वारसुक्कोसं उद्धट्टण तः

उगाहणारदारंसम्मत्तं ॥ इक्किंविरहकालोउववाउ ॥ हट्ठाणंनवइ ॥ सामन्नेणंचवविहसुरसुबारसमुहुत्तउक्कोसो

उपपात अवन विरहः अत्र नवौनादि क्रमादिपत्ये कं इदं नवन यतिर्यंक्तान्योतिषी सौधर्मईशान मुहूर्त चतुर्वीस मनतक्रमाभिनवदिण

उववायचवणविरहा ग्रहनवणाईसुपत्तियं ॥ नवणावणजोइसादीसाणंसुमुहुत्तचवीसं तानवदिण

वीसमुहुत्तं मादहबारदिवस दसमुहुत्तं बहुत्तालाकिसादः बावीसदिवस लांतकि४५ सुक्कि५० सहस्रादिदिन१०० तत्संख्याता मासआनतप्राणात संख्यातावर्ष

वीसमुहुत्त बारसदिणदसमुहुत्तायु ह बावीससहदि अट्ठा एणयालसीइदिणसयतत्ति संखिज्जा उसुमासा उसुवासा

आरणाच्युत ग्रैवेयकेषु विजयादिषु वर्ष यात वर्ष सहस्र वर्षलक्ष तथाचतुर्षु विजयादिषुजयंत अजयंतश्र अपराजितेषु पल्योपमचतुर्थांश असंख्यातभागा सर्वार्थसिद्धिसंख्यातभागाः सर्व

तिसुतिगसुक्कमा ग्रघासाणसयासदसा लस्कातहचउसुविजयमाईसुपलिया असंखभागा सव्वट्ठसंखभागाश्र सव्व

एवमइयंजघन्यमेकसमय इमारतिरश्चयवनन इंद्रियउच्छ्वासानांचतुर्णा एकस्मिन असंख्यातसंख्याता एकइसमइऊपइगइसंगतिद्वार मनुष्यअनइंद्रियतिर्यंचनीउत्पत्ति एवनवि

सिपिजहन्नासमउएमवचवणविरहा इगसुतिसंखसमसंखा इगसमएजतिअचवंति एनरपविदिअतिरिआपुण्णासुरनवे

पर्याप्तानां परिणामविशेषात् तदनीं गतितारतम्यभावाद्वा ह्रस्व मुहूर्तत्रिभागः तिर्यंचः सर्वेभ्यः मनुष्यगतिमादि निर्जरा श्रेणिप्रमाणासमान अथवाद्वीपाब्धितिन

पजवाणं अणवसायविसमा तसिगइतारतम्मवसेण नरतिरिअसंखजीवी सावनियमणजतिदावंसु निअआऊअसमहीणा

वि ईशानांतलग इ। जघन्यसहस्र द्विभवतिर्यंचः नवनपतिव्यंतरा दिनाड्यातिषी इत्यः उक्तादन्य उपपात पाल्योपमचतुर्थः ख्यातभागः अज्ञानक

उपसुइसाणंअंतसुमुजंतिअसुभिमतिरिया नवणवणसुनजाइसुजातिसिववज्जइ पलिआसंखसमआऊसु बाल

पूतनाप्रारंभ कथितासमयेन तिर्यंचः गर्विताः विरलावगाढ़ अद्वीपाब्धिनवतु मरीनइ असुरकुमारादिजा इ गालाणाद्या विषु नद्यः जलच

तावपडिवज्जइउक्कडासंतावणगारवियाअवरणय पडिवज्जइमरिउअसारसुजोयतिपरंरुजंगादविसनरकणंजलज

पुलनावइ दाइ व्यंतर मूलकदफलमक्षकताप माड्यातिमाचरकपरि

सणपावसतिहुहुउदहंगिरिसिलवडणाउ। मयासुदनावाजंतिवंतरिया एवंतावसजाइसुपिया चरगपरि

ब्राह्मकब्रह्मोत्तरलोकलगइ मत्स्यकच्छादावितिरंत एतेतिर्यांतीत्येवम दमारकोअकतिश्रावक यतिमदात्मानश्चारणविमिश्रावीरकृष्णक्रियारतायद्यकलगहुंडाइएक

रियायवंसलागाजाजासदसारापविंदीतिरिअजा अहुनेसहाएकजलिंगिमिछदिहीगविजाउवजंतिउक्कासाएया

इपदअभद्रद्रव्यामिद्रोताजातिमिथ्यादृष्टीकदाइ इत्र गण धरनामित तथाचात्रकथानकं प्रक्रतावलिनामित एतत्सर्वदाइतिर्यंधरवित

मविअसहदंतासुहुनेमिछदिहीजादसुनंगणहररुश्रातदवपतअहहरुचसुश्रकवलिणारुश्रंअनिनदसुहविणारुइ

उदाइ संयतक उपपात उक्कृष्टा सर्वार्थसिद्धि इत्यइत्यवनी जघन्यानवतिः सौधर्म लांतकादवालाकिंचदूनपूर्वधर नाएसा

श्रा एवमइसंजयाणं उववाउक्कासउअसवाइतसिंसहाणंपिश्राजहन्नउदाइसादाम्मा एलंतंमिवइदमहविसा तावं

सेनापति॥ गृहपति॥ बईकि॥ स्त्री॥ वज्रऋषभनिराच॥ वज्र॥ ऋषभ॥ नाराच॥ खड्ग॥ मणि॥ गदा॥ तथा॥ ऊर्ध्व॥ वनमाला॥ पांचजन्य॥ शंख॥ एरावत॥ वासुदेव॥ नारद॥ वज्रऊ॥

सेणावइगाहावइ॥ वद्धइकि॥ रयणाइं॥ चक्कधणुदंडखग्गा॥ मणिगया॥ तद्दयाहरणमाला॥ सारवासन्नऊ॥ रयणाइं॥ वासुदेव

संख्याता॥ युष्कमनुष्यविहंगतिजाइं॥ पांचगात॥ पहिलउ॥ संघयणिजाइं॥ एकबितिनोंदांचछ॥ १०॥ सउ॥ मनुष्य॥ एकसमय॥ मोक्षजाइं॥ बीसमो॥ दशानंदमुनी॥ छरुष॥

सन्ना॥ रसवनरावनसुगईसु॥ जंतिपंचसुविएदससंघयणा॥ इगदुतिजावअहसया॥ इगसएजंतिसिद्धिं॥ वीसइदसनउसगइरि

अट्ठानरसउ॥ एकसमयमोक्षजाइं॥ इहीअन्यलिंगगृहलिंगयथाकमिथा॥ १०॥ १०८॥ सउ॥ उरुशरीरालघुमध्यअवरुकमिबिन्यारिअट्ठानरसउ॥ कहं॥ अथ॥

सहसयंउएकसमएणं॥ सिझइगिहिअन्नसलिंग॥ चउ॥ दससहाहिअसयंवा॥ गरुलऊमिमंगवेन्ना॥ अहसयंवहआदा

तिर्यंगाला॥ किं॥ ४॥ २२॥ १०८॥ बिससुइमाहि॥ तिसिद्धाषजल॥ माहि॥ नरकतिर्यंचमाहिआव्यादश॥ मनुष्यमध्यागतवीसय॥ ९०॥ सीझइदवआगतवी॥ ९०॥ सीझ॥

तिविआलाए॥ चउबावीसहयाउसमइतिनिजाल॥ ॥११॥ नरयतिरिआगयादस॥ नरादवगरुअट्ठवीसयं॥ दसरय

शेदशादशारत्नप्रभा॥ १शर्कराप्रभा॥ २वा॥ लु॰३॥ ४॥ ५॥ ६ष्ठी॥ जलविऊ॥ वनस्पतिविऊ॥ १०॥ तिर्यंचा॥ तिर्यंचस्त्री॥ १०॥ मनुष्यविऊ॥ २०॥ असुरादिकदेवतरधी॥ १०॥ तद्दनीदे

णासक्करवालुआ॥ चउपचधूदगअ॥ ५॥ चउचणस्स॥ ६॥ इहसातिरितिरिछिदसमएअवीसनारीउ॥ असुराइंतरादस॥ एण

वीविऊ॥ पल्यकिंपांचपांच॥ ज्योतिषीविऊ॥ १०॥ तद्दनीदेवीउ॥ २०॥ वैमानिकविऊ॥ १००॥ तद्दनीदेवीविऊ॥ २०॥ तथा॥ ऊरुषधर्मश्रेष्ठनरसउ॥ मोक्षजाइं॥ शेषवाकीना॥

ताइवीसयंतइ॥ १३॥ जाइदसादविवीस॥ विमाणि॥ अहसयवीसादवीउ॥ तदसंवएहिंता॥ पुरिसाहाकण॥ अहसयं॥ १४॥ ससहस्र

आठमोग॥ दस दस॥ ग्राह्यनुशं॥ एकसमयं॥ विरहकालउमासउ॥ छा॥ लघु॥ एकसमय॥ च्यवननद्धी॥ अष्टसया॥ ६॥ ५॥ ४॥ ३॥ २॥ १॥

गएसु॥ दसदससिन्नतिएगसमएण॥ विरहावमासछुरुलऊ॥ समउचयणसिद्धनंति॥ ॥ अडसमयंवचउतिन्नि॥ उनिशक्काय

१२ १२

सिझमाणसुबत्तीसाछुसमया॥ निरंतरंअंतरंचवरिं॥ बत्तीसअडयालासट्ठीबावत्तरीअसीइनउई॥ उदहिअम

१०८॥ पंचितालीसक्षायाजन॥ विस्तार॥ शुक्तिसिला॥ स्फटिकनीपरनिर्मला॥ तदुपरिएकायाजनऊंचा॥ इति॥ लोकोत्तरसिद्धानिद्धिनोस्थिति॥ मनुष्यक्षे॥ २५

उत्तरसयंचाइगा॥ पणयालसत्तवीसाअणा॥ बिकनासिद्धिसिलफलिहविमला॥ तउवरिगाउअणा॥ तिलोगतत्तसिद्धिहिं॥ १॥ मणुअ

एकसिद्ध॥ तिर्यंचबारक॥ हीइ॥ माही॥ २२॥ जलथ॥ वनस्पति॥ १०॥ वायुवर्षसहस्र॥ अग्नि॥ दिनस्थिति॥ द्वीन्द्रियादिषु॥ बारहवर्ष॥ एकोनपंचाशदिन॥ मास॥ वि

दारसमन्नं॥ तिरिअदारसन्नरुबावीससगतिदसवा॥ ॥ समइसगणिनिदिणविंदिआइछुबारसबासुएणदिण॥ छमासति

सिपल्योपमस्थितिवडी॥ सूक्ष्म॥ ऊंचाई॥ २ बालाग्र॥ ८ मणुस्त्री॥ लाभ॥ काकरूपाधनिमपाषाणरूपा॥ १॥ १२॥ १४॥ १६॥ १८॥ २२॥ वर्ष

पलिअविईंदिहा॥ १॥ सज्झायसुहवालुअमणा॥ ॥ सिलासक्करायखरपुढवी॥ छगबारचउदसमसोल॥ बारबावीसम

मनुष्य॥ गर्भजचउष्पदजलचरबिऊ॥ गर्भसर्पविऊ॥ ८॥ द्वासप्तकोडिउ॥ ७॥ गर्भजचउष्पद॥ परकीआनईअडक्रमिउपल्यनवअसंख्यातमउनाग॥

मसदसा॥ ण॥ गन्नउअजलचारनय॥ गासारगपुढवाका॥ डिउक्कासा॥ गन्नवयययपरिकिसु॥ तिपलिअपलिआअसखासा॥ ॥ ३॥

सर्वनउपमाणकहीइ॥ ७०वर्षकोटिलक॥ पटषष्यंनवकोडिसहस्र॥ जाणिवा॥ वर्षकोटिना॥ संज्ञिविंमपचेंद्रिय॥ थलचरखचर॥ उरग॥ भु

पुव्वसउपरिमाण॥ सयरिखलुवासकोडिलकाउ॥ बण्णंनचसहस्सा॥ बोधव्वावासकोडीण॥ ॥ समुच्छणि॥ दियथलखयरु॥ रगभु

ज॥ ग॥ पूर्वकोटि॥ अवकनिर्ज॥ वर्षसहस्र॥ ७५सहस्र॥ ७२॥ ३॥ ४३॥ ४२॥ एतद्विवीपचख॥ नी॥ नवकोटि॥ मूपतेउकायस्थिति॥ विऊणएकेंद्रियविसु॥

यछिहविऊकमसोवाससहस्साइंछलसी॥ बिसत्तरितिपंनवायाला॥ ॥ चउसाउदवाउणा॥ नवहिऊसपत्तेउकायविऊ॥ घउणगिदिसुन

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

कामीत्तनतायानिःऊपजइं अईता वाशादववकीवलदवा वंसीपत्राकारायानिःशाघनरू आयुषानउबंधकाला बोधिउ आऊषंउदयनावइंःबईअंएकसमयदीर्घआयुबंऊइ
ऊसुनयाइजायेंतिःअरिहंतचक्किरामा।वंसीपत्राइससनरा।एए।आउस्मबंधकाला।अदेवादकाला।अअंतसमउअ।अपवत्तण
तिवारइंत्तागवीइ। उपक्रमणीयबीजउं अउपक्रमणीयकहिउं= परभवआऊषउंबोधइ। द्वतियंयेवमउष्यद्विगलउमासासमधि बीजानिरुपमक्रम त्रिनाग
णपवत्तणा।उवक्कमणउक्कमानणिआ।दाबंधंतिदवनारय।असंखतिरिनरछमासासमाउं।परभविआउसमा।निरुवक्कमतिनाग।
समाआऊषइ समोपक्रमआऊषाछवीजइ= नागि अथवानउभइनागि= अथवासत्तावीसमइनागि। अथवाअंतउजउंवेदिलइ। जंतसइ
समाऊदा।।सावक्कमाउआषुण।समतिनागदवा नवमनागा।सत्तावीसइमवा।अंतमुजउंतिमवाविदुजइमेत्ता
नागिबंध आऊषानउजइ= तिअबाधकालकहीइ। बेहि ऋजुगति एकसमय वंकगतित्रीपोवसमया। ऋजुगतिपहिलइसमय
णावंधा।आउस्मनावअवादकालासा।अंतउ जागइउगसमया।वंकउनपवसमयंतादु।वंकागएदमसम
परभवेसबंधीआऊषं= तिमआहारलिइ। वंकगतिबीजइसमइ।पर तवआऊषउंउदयआवइ। एकबितिसमयाहिवंकसमया। दुगादिकसमइमाहि=ए
णापरभविआउअंतदाहारा।।वंकाइबीअसमए।परा। सविआऊउदयमइ।दुदा।इगइतिचवंकासु।उगाइसमएसुपर
परभवाहारउदयआवइ। दिवंका समया एक बि तिसमि अनाहारका वंकाकलावदनीयकर्मो षाउइंकालिसवेघादशेइंकरी= त्तागबीउइ
सवाहारा।उगवंकाइसुसमया।।इगादातिनिअअणाहारा।दु।।वंकाकलावयणिजं।कम्मअणणजमिदकालेण।वइंकाउ
एकहिजिवारउं= उदीरीनइसमवेआरीरवदेशगुता अपवत्तनीयआऊषउंएकदाइ अथवा= सर्वकर्म= बांधवानइसमइबीइ। शिथिला ते यसायाए
गवियाउइन्नमन्नएसमं।दुदा।अपवत्तणिजामअ।आउंअदवाआसमकम्मंपि।बंधसमएविवइं।सिढिलंवियतंजदाउगं
१६ १६